नवसर्जन संस्कृति

TITLE CODE : UPHIN51496
NAVSARJAN SANSKRUTI

नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 235
दि. 26.12.2025,
शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com

'अब यूपी बताता है कि सुधर जाओ': सीएम योगी बोले- नहीं सुधरे तो यमराज के दरवाजे खुले हैं, कभी भी बुलावा आ जाएगा

(जीएनएस)।

विधानसभा के शीतकालीन सत्र में सीएम योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला। कानून-व्यवस्था, माफिया कार्रवाई और विकास कार्यों को गिनाते हुए कहा कि यूपी अब सुधर चुका है। अपराधियों को चेताया कि नहीं सुधरे तो यमराज का बुलावा तय है।

आज यूपी विधानसभा के शीतकालीन सत्र का चौथा और आखिरी दिन है। सीएम योगी ने विपक्ष के हर सवाल का जवाब दिया। उन्होंने संबोधित करते हुए कहा-हमें खुशी है कि हमने उत्तर प्रदेश को बीमारू राज्यों की सूची से बाहर निकाला है। आज प्रदेश में व्यापारियों से गुंडा टैक्स नहीं लिया जाता है। आज अगर कोई गुंडा किसी बेटी को छेड़ता है तो वो जानता है कि जल्द ही यमराज का बुलावा आ जाएगा।

अगर आबादी की भूमि पर या किसी सरकारी भूमि पर कोई माफिया कब्जा करके उसपर मॉल बनाकर, या वसूली का अड्डा बनाकर उसके माध्यम से अनैतिक, अवैध गतिविधियों का संचालन करके कोई छांगुर जैसा व्यक्ति वहां अनैतिक गतिविधियों का संचालन करेगा तो बुलडोजर भी चलेगा, उसको कोई रोक नहीं सकता।

'हमने सरकारी योजनाओं की लूट को रोका'

मुख्यमंत्री योगी ने सपा पर हमला करते हुए कहा- हमने योजनाओं में जो लूट थी उसे रोका। सपा के लोग इंफ्रास्ट्रक्चर की बात करते हैं। बड़े-बड़े दावे करते हैं। जेपीएनआईसी पौने दो सौ करोड़ का प्रोजेक्ट था 860 करोड़ खर्च हो जाने के बाद भी अधूरा है। गोमती रिवर फ्रंट 167 करोड़ का प्रोजेक्ट था 1400 करोड़ खर्च हो गए तब भी अधूरा है। पूर्वांचल एक्सप्रेस वे के सिविल वर्क के लिए 15 हजार 200 करोड़ रुपये तय किए गए थे हमने वहीं एक्सप्रेस वे 11 हजार 400 करोड़ रुपये में पूरा करके दिखा दिया।

यही सपा के समय इंफ्रास्ट्रक्चर की सच्चाई है।

'यूपी में दंगा और अराजकता नहीं है'

मुख्यमंत्री योगी ने कहा- यूपी में दंगा और अराजकता नहीं है। दंगे का उपचार क्या है? इस बारे में बरेली के मौलाना से पूछ लीजिए। यूपी में न कर्फ्यू है, न दंगा। अब सब कुछ चंगा है। आपकी पार्टी से सदस्य चुनी गईं पूजा पाल को आपने न्याय नहीं दिलाया। क्योंकि, आपमें हिम्मत नहीं थी। माफिया के सामने झुकना मजबूरी थी। आप उन गुंडों और माफिया के सामने एक गरीब बेटी को न्याय नहीं दे पाए। क्या वो पीडीए की पार्ट नहीं थीं। बेटी चाहे उस पक्ष की या हमारे पक्ष की, हर

हाल में न्याय मिलेगा।

'बांग्लादेश में हिंदू की हत्या पर चुप हैं गाजा पर आंसू बहाने वाले'

मुख्यमंत्री योगी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा-तुष्टिकरण की नीति के कारण ही पाकिस्तान और बांग्लादेश का निर्माण हुआ। बांग्लादेश में एक दलित हिंदू को पीटकर मार दिया गया लेकिन जो लोग गाजा पट्टी पर आंसू बहाते थे उनके मुंह से एक शब्द नहीं निकला क्योंकि उन लोगों के लिए दलित, किसान और महिलाएं सब एक वोट बैंक हैं। तुष्टिकरण की नीति के कारण बांग्लादेश का निर्माण हुआ है। अगर विभाजन न होता तो हिंदुओं पर अत्याचार न होता। जब हम लोग बांग्लादेश के अवैध प्रवासियों और रोहिंग्याओं का निकालेंगे तो यही लोग आंसू बहाएंगे क्योंकि इनमें से कई तो इन लोगों के वोट बैंक होंगे।

बांग्लादेश में की गई दलित नौजवान की हत्या

मुख्यमंत्री अनुपूरक बजट पर चर्चा के दौरान विपक्ष के आरोपों का जवाब दे रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा, बांग्लादेश में एक दलित नौजवान की हत्या कर दी गई, लेकिन विपक्ष के मुंह से एक शब्द नहीं निकला। जबकि विपक्ष गाजा पट्टी के मामले पर आंसू बहाता है। उन्होंने कहा कि नौजवान के मरने पर आपकी जुबाने सिल जाती हैं, क्योंकि सपा-कांग्रेस दलित समाज को केवल वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल करती हैं। यह वह सच्चाई है जो इनकी तुष्टीकरण की नीति को दशार्ती है। इनकी वजह से ही बांग्लादेश बना है। अगर बांग्लादेश और पाकिस्तान नहीं बना होता तो इस तरीके से से हिंदू नहीं जलाया जाता।

सीएम ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि अगर यूपी में कोई जलाया जाता तो उसकी क्या दुर्गति होती, यह वही जानता। उन्होंने कहा यह हमारी सुरक्षा की गारंटी है। सीएम ने कहा कि बांग्लादेश की घटना को लेकर निंदा प्रस्ताव पारित होना चाहिए और यह प्रस्ताव नेता विरोधी दल की तरफ से आना चाहिए, लेकिन इन्होंने ऐसा नहीं किया। घटना की हम भर्त्सना करते हैं। सीएम सपा की ओर इशारा करते हुए कहा कि हम प्रदेश से बांग्लादेशियों और रोहिंग्या को यहां से बाहर का रास्ता दिखाएंगे तो उनके समर्थन में आप लोग मत आना, क्योंकि उनमें से बहुत सारे लोगों के वोट आप लोगों ने बनवाए हैं।

निर्दोष हिंदुओं पर अत्याचार स्वीकार्य नहीं

सीएम ने सपा-कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि इन लोगों ने बहुत सारे रोहिंग्या व बंग्लादेशियों का आधार पर बनवाने का भी पाप किया है। मैं इन चीजों को ध्यान में रखूंगा और एक-एक चीज की स्क्रीनिंग होगी व प्रभावी कार्रवाई भी करेंगे। सीएम ने कहा कि हमारे ही देश में रहकर हमारे लोगों के खिलाफ अपराध और निर्दोष हिंदुओं पर अत्याचार होगा, इसे हम स्वीकार्य नहीं कर सकते।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के लखनऊ में राष्ट्र प्रेरणा स्थल का उद्घाटन किया

- राष्ट्र प्रेरणा स्थल उस सोच का प्रतीक है जिसने भारत को आत्मसम्मान, एकता और सेवा का मार्ग दिखाया है: प्रधानमंत्री
- सबका प्रयास ही विकसित भारत के संकल्प को सिद्ध करेगा: प्रधानमंत्री मोदी
- हमने अंत्योदय को संतुष्टिकरण का एक नया विस्तार दिया है: प्रधानमंत्री

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज उत्तर प्रदेश के लखनऊ में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन और आदर्शों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए राष्ट्र प्रेरणा स्थल का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने श्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के पर अपने संबोधन में कहा कि आज लखनऊ की धरती एक नई प्रेरणा की साक्षी बन रही है। उन्होंने देश और पूरी दुनिया को क्रिसमस की शुभकामनाएं दीं। श्री मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत में भी लाखों ईसाई परिवार आज यह त्यौहार मना रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि क्रिसमस का यह उत्सव सभी के जीवन में खुशियां लाए, यही हम सबकी सामूहिक कामना है।

श्री मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि 25 दिसंबर राष्ट्र के दो महान व्यक्तित्वों की जयंती का विशेष अवसर लेकर आता है। उन्होंने कहा कि भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी और भारत रत्न महामना मदन मोहन मालवीय जी ने भारत की पहचान, एकता और गौरव की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि इन दोनों महान विभूतियों ने अपने विशाल योगदान से राष्ट्र निर्माण पर अमिट छाप छोड़ी है।

श्री मोदी ने इस बात का उल्लेख किया कि 25 दिसंबर महाराजा बिजली पासी जी की जयंती भी है। उन्होंने बताया कि लखनऊ का प्रसिद्ध बिजली पासी किला यहाँ से कुछ ही दूरी पर स्थित है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि महाराजा बिजली पासी ने वीरता, सुशासन और समावेशिता की ऐसी विरासत छोड़ी है जिसे पासी समुदाय ने गर्व से आगे बढ़ाया है। उन्होंने इस संयोग का जिक्र किया कि अटल जी ने ही वर्ष 2000 में महाराजा बिजली पासी के सम्मान में डाक टिकट जारी किया था।

ओडिशा के कंधमाल में एक बड़े ऑपरेशन में अब तक सेंट्रल कमेटी मेंबर गणेश उइके सहित 6 नक्सलियों को मार गिराया गया है

इस बड़ी सफलता के साथ, ओडिशा नक्सलवाद से पूरी तरह मुक्त होने की कगार पर है और हम 31 मार्च 2026 से पहले नक्सलवाद को खत्म करने के लिए संकल्पित हैं

(जीएनएस)।

नक्सल-मुक्त भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के तहत, ओडिशा के कंधमाल में एक बड़े ऑपरेशन में अब तक सेंट्रल कमेटी मेंबर गणेश उइके सहित 6 नक्सलियों को मार गिराया गया है।

प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में गृह मंत्री कार्यालय ने कहा नक्सल-मुक्त भारत की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम। ओडिशा के कंधमाल में एक बड़े ऑपरेशन में अब तक सेंट्रल कमेटी मेंबर गणेश उइके सहित 6 नक्सलियों को मार गिराया गया है। इस बड़ी सफलता के साथ, ओडिशा नक्सलवाद से पूरी तरह मुक्त होने की कगार पर है और हम 31 मार्च 2026 से पहले नक्सलवाद को खत्म करने के लिए संकल्पित हैं।

भारत 1 जनवरी 2026 से किम्बरली प्रक्रिया की प्रतिष्ठित अध्यक्षता ग्रहण करेगा

इस पहल में सरकारें, अंतरराष्ट्रीय हीरा उद्योग और नागरिक समाज शामिल हैं, जिनका उद्देश्य "कच्चे हीरों" के व्यापार को रोकना है

(जीएनएस)।

किम्बरली प्रक्रिया (केपी) की पूर्ण बैठक में भारत को 1 जनवरी 2026 से किम्बरली प्रक्रिया की अध्यक्षता संभालने के लिए चुना गया है। किम्बरली प्रक्रिया एक त्रिपक्षीय पहल है जिसमें सरकारें, अंतरराष्ट्रीय हीरा उद्योग और नागरिक समाज शामिल हैं, जिसका उद्देश्य " कच्चे हीरे" के व्यापार को रोकना है - ये वे कच्चे हीरे हैं जिनका उपयोग विद्रोही समूह या उनके सहयोगी उन संघर्षों को वित्तपोषित करने के लिए करते हैं जो संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों में परिभाषित वैध सरकारों को कमजोर करते हैं।

भारत 25 दिसंबर 2025 से केपी उपाध्यक्ष का पदभार ग्रहण करेगा और नव वर्ष में अध्यक्ष का पदभार संभालेगा। यह तीसरी बार होगा जब भारत को किम्बरली प्रक्रिया की अध्यक्षता सौंपी जाएगी।

इस फैसले का स्वागत करते हुए वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत का चयन अंतरराष्ट्रीय व्यापार में ईमानदारी और पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए मोदी सरकार की प्रतिबद्धता में वैश्विक विश्वास को दशार्ता है।

संयुक्त राष्ट्र के एक प्रस्ताव के

अंतर्गत स्थापित किम्बरली प्रक्रिया प्रमाणन योजना (केपीसीएस) 1 जनवरी 2003 को लागू हुई और तब से कच्चे हीरों के व्यापार पर अंकुश लगाने के लिए एक प्रभावी तंत्र के रूप में विकसित हुई है। किम्बरली प्रक्रिया में वर्तमान में 60 भागीदार हैं, जिनमें यूरोपीय संघ और उसके सदस्य देशों को एक ही भागीदार माना जाता है। केपी के भागीदार मिलकर वैश्विक कच्चे हीरों के व्यापार के 99 प्रतिशत से अधिक हिस्से पर कब्जा करते हैं, जिससे यह इस क्षेत्र को नियंत्रित करने वाला सबसे व्यापक अंतरराष्ट्रीय तंत्र बन जाता है।

हीरा निर्माण और व्यापार के एक प्रमुख वैश्विक केंद्र के रूप में, भारत का नेतृत्व ऐसे समय में सामने आया है जब भू-राजनीति में बदलाव हो रहे हैं और टिकाऊ एवं जिम्मेदार स्रोतों पर जोर बढ़ रहा है। अपने कार्यकाल के दौरान, भारत शासन और अनुपालन को मजबूत करने, डिजिटल प्रमाणीकरण और पता लगाने की क्षमता को बढ़ावा देने, डेटा-आधारित निगरानी के माध्यम से पारदर्शिता बढ़ाने और संघर्ष-मुक्त हीरों में उपभोक्ताओं का विश्वास बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करेगा।

2025 में उपाध्यक्ष और 2026 में अध्यक्ष के रूप में, भारत किम्बरली प्रक्रिया में विश्वास को मजबूत करने, नियम-आधारित अनुपालन सुनिश्चित करने और इसके मूल उद्देश्यों और विकसित हो रही वैश्विक अपेक्षाओं के अनुरूप इसकी विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए सभी प्रतिभागियों और पर्यवेक्षकों के साथ मिलकर काम करेगा, साथ ही किम्बरली प्रक्रिया को अधिक समावेशी और प्रभावी बहुपक्षीय ढांचा बनाने की दिशा में भी काम करेगा।

प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश के लखनऊ में राष्ट्र प्रेरणा स्थल के लोकार्पण के विशेष क्षण साझा किए

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज उत्तर प्रदेश के लखनऊ में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन और आदर्शों को सम्मान देने के लिए नवनिर्मित राष्ट्र प्रेरणा स्थल के उद्घाटन की झलकियां साझा कीं। श्री वाजपेयी की 101वीं जयंती के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज लखनऊ की यह पावन धरती एक नई प्रेरणा की साक्षी बन रही है। इस दौरान उन्होंने देश और दुनिया को क्रिसमस की शुभकामनाएं भी दीं। प्रधानमंत्री ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि 25 दिसंबर का दिन देश की दो महान विभूतियों की जयंती का एक अद्भुत अवसर लेकर आता है। उन्होंने कहा कि भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी और भारत रत्न महामना मदन मोहन मालवीय जी ने अपना संपूर्ण जीवन भारत की पहचान, एकता और गौरव की रक्षा के लिए समर्पित कर दिया। प्रधानमंत्री ने रेखांकित किया कि

इन दोनों महान हस्तियों ने अपने योगदान के माध्यम से राष्ट्र निर्माण पर एक अमिट छाप छोड़ी है।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर अपनी पोस्ट की एक श्रृंखला में उल्लेख किया:

"राष्ट्र प्रेरणा स्थल में कमल पुष्प के आकार का अत्याधुनिक संग्रहालय निस्वार्थ नेतृत्व और सुशासन की भावना को सजीव रूप में सामने लाता है। यह आने वाली पीढ़ियों को हमारे जननायकों के आदर्शों को आत्मसात कर जीवन में अपनाने की प्रेरणा देता रहेगा।"

"राष्ट्र प्रेरणा स्थल में कमल पुष्प के आकार का अत्याधुनिक संग्रहालय निस्वार्थ नेतृत्व और सुशासन की भावना को सजीव रूप में सामने लाता है। यह आने वाली पीढ़ियों को हमारे जननायकों के आदर्शों को आत्मसात कर जीवन में अपनाने की प्रेरणा देता रहेगा।"

"लखनऊ के मेरे परिवारजनों का उत्साह और उमंग इस बात का प्रमाण है कि देश की महान विभूतियों के आदर्श, मूल्य और राष्ट्रसेवा की भावना आज भी जन-जन का मार्गदर्शन कर रही है।"

"राष्ट्र प्रेरणा स्थल उस सोच का प्रतीक है, जिसने भारत को आत्मसम्मान, एकता और सेवा का मार्ग दिखाया है। यहां डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी और अटल बिहारी वाजपेयी जी की प्रतिमाएं हमें संदेश देती हैं कि हमारा हर कदम और हर प्रयास राष्ट्र-निर्माण के लिए समर्पित हो।"

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने पारदर्शी और नागरिक-केंद्रित प्रशासन को मजबूत करने के लिए पांच परिवर्तनकारी डिजिटल सुधारों का शुभारंभ किया

- डॉ. जितेन्द्र सिंह ने पूर्व सैनिकों के लिए आरक्षण संकलन, एआई भर्ती साधन, ई-एचआरएमएस 2.0 ऐप, आईजीओटी एआई प्लेटफॉर्म और कर्मयोगी डिजिटल लर्निंग लैब 2.0 की शुरूआत की
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अटल बिहारी वाजपेयी की सुशासन की परिकल्पना साकार हुई है: डॉ. जितेन्द्र सिंह

(जीएनएस)।

केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत, पेंशन, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेन्द्र सिंह ने आज नई दिल्ली में सुशासन प्रथाएं 2025 पर राष्ट्रीय कार्यशाला का उद्घाटन किया।

डॉ. जितेन्द्र सिंह ने सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों, नीति निमार्ताओं और हितधारकों को प्रतिवर्ष 25 दिसंबर को मनाए जाने वाले सुशासन दिवस के अवसर पर संबोधित करते हुए कहा कि सुशासन एक अमूर्त आदर्श नहीं बल्कि पारदर्शिता, जवाबदेही और नागरिक-केंद्रित वितरण पर आधारित एक दैनिक प्रशासनिक जिम्मेदारी है।

डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि देश पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती मना रहा है, जिन्होंने सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी की अवधारणा को संस्थागत रूप दिया और जनहितैषी शासन की नींव रखी। उन्होंने कहा कि सुशासन का विचार पहले भी व्यक्त किया गया था, लेकिन वर्ष 2014 के बाद से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में "न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन" के मंत्र के मार्गदर्शन में इसे अक्षरशः और भावपूर्ण ढंग से लागू किया गया है।

डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) इस सुशासन दिवस पर पांच प्रमुख पहलों की शुरूआत कर रहा है, जिनका उद्देश्य मुख्य शासन प्रक्रियाओं को मजबूत करना, प्रमुख हितधारक समूहों का समर्थन करना और तेजी से विकसित हो रहे प्रशासनिक परिदृश्य की चुनौतियों के लिए लोक सेवकों को तैयार करना है।

पहले डिजिटल सुधार में केंद्र सरकार में पूर्व सैनिकों के लिए आरक्षण संबंधी दिशा-निदेर्शों का एक संकलन शामिल है, जिसमें सभी मौजूदा निदेर्शों को एक ही, अद्यतन और उपयोगकर्ता अनुकूल संदर्भ में समेकित किया गया है। डॉ. जितेन्द्र सिंह ने कहा कि यह कदम आरक्षण संबंधी लाभों की स्पष्टता, एकरूपता और समयबद्ध वितरण सुनिश्चित करके पूर्व सैनिकों की सेवा का सम्मान करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

नवसर्जन संस्कृति
हिन्दी

JioTV
CHENNAL NO.
2063

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
नवसर्जन संस्कृति हिंदी चेनल देखिये

सीसीपीए ने यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा के परिणामों पर भ्रामक विज्ञापन देने वाले कोचिंग संस्थान पर 11 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया

(जीएनएस)।

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के उल्लंघन में यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा (सीएसई) 2022 और 2023 के परिणामों से संबंधित अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर भ्रामक विज्ञापन प्रकाशित करने के लिए विजन आईएएस (अजयविजन एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड) पर 11 लाख रूपए का जुमार्ना लगाया है।

संस्थान ने "सीएसई 2023 में शीर्ष 10 में 7 और शीर्ष 100 में 79 चयन" और "सीएसई 2022 में शीर्ष 50 में 39 चयन" जैसे दावों का विज्ञापन किया था, जिसमें सफल उम्मीदवारों के नाम, तस्वीरें और रैंक प्रमुखता से प्रदर्शित किए गए थे।

जांच करने पर, सीसीपीए ने पाया कि संस्थान ने श्री शुभम कुमार (यूपीएससी सीएसई 2020 में प्रथम

स्थान प्राप्त करने वाले) द्वारा चुने गए विशिष्ट पाठ्यक्रम, अर्थात जीएस फाउंडेशन बैच (कक्षा छात्र) का खुलासा तो किया, लेकिन जानबूझकर अन्य सफल उम्मीदवारों द्वारा चुने गए पाठ्यक्रमों के बारे में जानकारी छिपा दी, जिनके नाम और तस्वीरें उसी वेबपेज पर उनके साथ प्रदर्शित की गई थीं।

इस छिपाव से यह भ्रामक धारणा बनी कि शेष सभी उम्मीदवार भी जीएस फाउंडेशन बैच क्लासरूम कोर्स में नामांकित थे, जबकि वास्तव में ऐसा नहीं था। इसके अतिरिक्त, उसी विज्ञापन में संस्थान ने अपने "फाउंडेशन कोर्स" का प्रमुखता से प्रचार किया, जिसकी फीस लाखों रुपये में है। इस प्रकार के आचरण से छात्रों को झूठे, बढ़ा-चढ़ाकर पेश किए गए और असत्यापित दावों के आधार पर संस्थान के कार्यक्रमों में दाखिला लेने के लिए प्रेरित किया गया।

विस्तृत जांच के बाद सीसीपीए ने पाया कि संस्थान ने यूपीएससी सीएसई 2022 और 2023 में 119 से अधिक सफल उम्मीदवारों का दावा किया था। हालांकि, केवल तीन उम्मीदवारों ने फाउंडेशन कोर्स में दाखिला लिया था, जबकि शेष 116 उम्मीदवारों ने प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा के लिए टेस्ट सीरीज, अभ्यास टेस्ट (एक बार के टेस्ट) और मॉक इंटरव्यू प्रोग्राम जैसी सेवाओं का विकल्प चुना था। महत्वपूर्ण जानकारी को जानबूझकर

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने कांकरिया कार्निवल का शुभारंभ किया

- मुख्यमंत्री ने मनपा और औडा के 526 करोड़ रुपए से अधिक के विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण भी किया
- श्री नरेन्द्र मोदी के विजन के परिणामस्वरूप कांकरिया तालाब और कांकरिया कार्निवल बेमिसाल और बेजोड़ बन गए हैं : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल :

- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में शहरों की सुख-सुविधा में नए कीर्तिमान स्थापित हुए
- कांकरिया कार्निवल जैसे आयोजनों से रिक्रिएशनल ट्रांसफॉर्मेशन हुआ है
- विकास कार्यों के लोकार्पण से कांकरिया कार्निवल अब विकास कार्निवल भी बन गया है
- ड्रोन शो तथा लाइट एंड साउंड शो से कांकरिया का आकाश जगमगा उठा, ड्रोन के जरिए उभरी आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी अभियान की आकृतियां बनी आकर्षण का केंद्र
- कार्निवल परेड के साथ कांकरिया कार्निवल का रंगारंग प्रारंभ
- प्रभारी मंत्री श्री ऋषिकेश पटेल, शहरी विकास राज्य मंत्री श्रीमती दर्शनाबेन वाघेला की प्रोत्साहिक उपस्थिति

- सांस्कृतिक कार्यक्रम में कीर्तिदान गढ़वी ने जमाया रंग

गांधीनगर, 25 दिसंबर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने गुरुवार को अहमदाबाद में देश और दुनिया में विख्यात हो चुके कांकरिया कार्निवल-2025 का रंगारंग शुभारंभ किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने पूर्व प्रधानमंत्री और भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के अवसर पर भाववंदना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2014 से सुशासन के प्रणेता अटल जी के जन्मदिन को सुशासन दिवस के रूप में मनाने की शुरूआत की। उन्होंने कहा कि सुशासन के माध्यम से अंतिम छोरे के लोगों को विकास की मुख्यधारा में शामिल किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में अहमदाबाद महानगर पालिका (एएमसी) ने महानगर को कांकरिया लेकफ्रंट, साबरमती रिवरफ्रंट, अटल ब्रिज, शॉपिंग फेस्टिवल, फ्लावर शो औ काइट फेस्टिवल जैसे अनेक आकर्षणों की भेंट दी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री की मंशा है कि नागरिकों को मनोरंजन की सुविधाएं मिलने के साथ-साथ शहरों में लोगों की सुख-सुविधाओं में इजाफा हो और हैप्पीनेस इंडेक्स ऊपर उठे। उन्होंने कहा कि शहरीजनों की सुविधाओं के मामले में गुजरात ने अनेक कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

उन्होंने आगे कहा कि पहले कांकरिया की पहचान केवल एक तालाब के रूप में सीमित थी। श्री नरेन्द्र मोदी ने इस तालाब का कायापलट किया और कांकरिया कार्निवल की शुरूआत की। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन के परिणामस्वरूप आज कांकरिया तालाब और कांकरिया कार्निवल बेमिसाल और बेजोड़ बन गए हैं।

सीएक्यूएम ने धूल नियंत्रण उपायों का आकलन करने के लिए सड़कों का निरीक्षण किया

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने धूल नियंत्रण उपायों का आकलन करने के लिए 24.12.2025 को लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की सड़कों का निरीक्षण किया तथा दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की सड़क पट्टियों का पुनः निरीक्षण किया

डीडीए के उन हिस्सों में काफी सुधार देखा गया जहां अत्यधिक धूल की शिकायतें दर्ज की गई थीं वहीं, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) को जमीनी स्तर पर उपायों को और तेज करने और अधिक सख्त एवं प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए

(जीएनएस)।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) एवं आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने 24.12.2025 को एक निरीक्षण अभियान चलाया। यह निरीक्षण 12.12.2025 को किए गए निरीक्षणों के बाद संबंधित सड़क-रखरखाव एजेंसियों द्वारा अपनाए गए सुधारात्मक उपायों के अनुपालन और उनकी प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए किया गया। यह कार्रवाई वैधानिक ढांचे तथा वर्तमान में लागू ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान जीआरएपी) के प्रावधानों के तहत आयोग की सतत निगरानी और निरंतर प्रवर्तन प्रयासों का हिस्सा थी।

इस निरीक्षण अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़कों पर दिखाई देने वाली धूल के जमाव का आकलन करना, मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनों (एमआरएसएम) की जमीनी स्तर पर हो रही कार्यवाही की समीक्षा करना, साथ ही नगर ठोस अपशिष्ट (एमएसडब्ल्यू) और निर्माण एवं विध्वंस (सीएंडडी) कचरे के जमाव तथा खुले में कचरा जलाने की घटनाओं की पहचान करना था।

आयोग के निदेर्शों के तहत, लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा बनाए गए 106 सड़क खंडों के निरीक्षण के लिए दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) की कुल 15 टीमों तथा दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) के अधिकार क्षेत्र में आने वाले चयनित 27 सड़क खंडों के पुनः निरीक्षण के लिए केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की 02 टीमों को तैनात किया गया। निरीक्षण के दौरान जियो-टैग्ड और समय-चिह्नित फोटोग्राफिक दस्तावेजीकरण किया गया, जिसे समेकित निरीक्षण रिपोर्ट के हिस्से के रूप में आयोग को प्रस्तुत किया गया।

12.12.2025 को किए गए निरीक्षण के दौरान जिन 27 सड़क खंडों (डीडीए द्वारा अनुरक्षित) में अत्यधिक दृश्य धूल पाई गई थी, उनके 24.12.2025 को पुनः निरीक्षण के दौरान यह देखा गया कि अब इनमें से कोई भी यानी 0 स्ट्रेच (खंड) हाई डस्ट कैटेगरी में नहीं आया। इनमें से 07 सड़क खंडों में मध्यम स्तर की धूल, 19 में कम धूल स्तर दर्ज किया गया, जबकि 01 सड़क खंड पर कोई दृश्य धूल नहीं पाई गई। यह स्थिति इन सड़क खंडों के रख-रखाव में स्पष्ट सुधार को दशार्ती है और इससे यह भी साबित होता है कि पहले सीएक्यूएम द्वारा किए गए निरीक्षण के बाद संबंधित एजेंसी द्वारा अपनाए गए सुधारात्मक उपाय प्रभावी रहे हैं।

साथ ही, पीडब्ल्यू द्वारा अनुरक्षित 106 सड़क खंडों के निरीक्षण में यह पाया गया कि 09 सड़क खंडों में डस्ट यानि धूल का स्तर अत्यधिक, 16 में मध्यम, 37 में कम, जबकि 44 सड़क खंडों में कोई दिखाई देने वाली धूल नहीं पाई गई। जिन कुछ सड़क खंडों में धूल की तीव्रता अधिक दर्ज की गई, वहाँ नगर ठोस कचरे (एमएसडब्ल्यू) और निर्माण एवं विध्वंस (सीएंडडी) कचरे का जमाव, साथ ही खुले में कचरा जलाने की घटनाएँ भी सामने आईं।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह शुक्रवार को नई दिल्ली में 'आतंकवाद निरोधी सम्मेलन' का उद्घाटन करेंगे

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस विजन के तहत आयोजित यह वार्षिक सम्मेलन उभरते खतरों से निपटने के लिए भारत की अगली पीढ़ी की रणनीतियों पर विचार-विमर्श करने का एक मंच बन गया है

सम्मेलन ऑपरेशनल फोर्सो, तकनीकी, कानूनी और फोरेंसिक विशेषज्ञों और आतंकवाद विरोधी गतिविधियों में लगी एजेंसियों के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित करने वाले मुद्दों और आतंकवाद से उत्पन्न होने वाले खतरों पर विचार-विमर्श करने के एक मंच के रूप में उभरा है

(जीएनएस)।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह शुक्रवार, 26 दिसंबर 2025 को नई दिल्ली में 'आतंकवाद निरोधी सम्मेलन' का उद्घाटन करेंगे। दो दिवसीय सम्मेलन भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) द्वारा आयोजित किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस विजन के तहत आयोजित यह वार्षिक सम्मेलन उभरते खतरों से निपटने के लिए भारत की अगली पीढ़ी की रणनीतियों पर विचार-विमर्श करने का एक मंच बन गया है। यह सम्मेलन ऑपरेशनल फोर्सो, तकनीकी, कानूनी और फोरेंसिक विशेषज्ञों और आतंकवाद विरोधी गतिविधियों में लगी एजेंसियों के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा को प्रभावित करने वाले मुद्दों और आतंकवाद से उत्पन्न होने वाले खतरों पर विचार-विमर्श करने के एक मंच के रूप में उभरा है।

सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य आतंकवाद के खतरे के खिलाफ समन्वित कार्रवाई के लिए औपचारिक और अनौपचारिक चैनल स्थापित करके विभिन्न हितधारकों के बीच तालमेल विकसित करना और भविष्य की नीति निर्माण के लिए ठोस सुझाव प्रस्तुत करना है।

दो दिवसीय सम्मेलन में होने वाली चचाओं और विचार-विमर्श का उद्देश्य आतंकवाद विरोधी मुद्दों से निपटने में कानून प्रवर्तन एजेंसियों के अनुभवों और अच्छी प्रथाओं और आतंकी जांच से मिली सीख को साझा करना है।

इस सम्मेलन में विदेशी न्यायक्षेत्रों से साक्ष्य एकत्र करने, आतंकवाद विरोधी जांच में डिजिटल फोरेंसिक और डेटा विश्लेषण, मुकदमे का प्रभावी प्रबंधन, कट्टरता से निपटना, जासूसी और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए उभरते खतरों सहित आतंकवाद से संबंधित अन्य विषयों पर सत्र शामिल हैं।

यात्री किराया युक्तिसंगत; उपनगरीय सेवाओं, सीजन टिकटों और 215 किमी तक की द्वितीय श्रेणी की साधारण यात्राओं के लिए कोई किराया वृद्धि नहीं

- भारतीय रेलवे ने यात्री किराया संरचना को युक्तिसंगत बनाया; उपनगरीय सेवाओं, सीजन टिकटों और 215 किमी तक की द्वितीय श्रेणी की साधारण यात्राओं के लिए कोई किराया वृद्धि नहीं
- यात्रियों पर न्यूनतम प्रभावः शयनयान और प्रथम श्रेणी साधारण में केवल 1 पैसे प्रति किमी की बढ़ोतरी
- एसी एवं नॉन-एसी श्रेणियों में मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों के किराए में संशोधन 2 पैसे प्रति किमी तक सीमित वृद्धि
- किराया युक्तिसंगत बनाने के तहत आरक्षण शुल्क या सुपरफास्ट शुल्कों में कोई बदलाव नहीं; जीएसटी प्रयोज्यता और किराया पूर्णांकन नियम भी अपरिवर्तित
- संशोधित किराया केवल 26 दिसंबर 2025 से बुक किए गए टिकटों पर लागू होगा, पहले से बुक टिकटों पर भविष्य की यात्रा के लिए भी कोई प्रभाव नहीं

(जीएनएस)।

रेलवे ने यात्रियों के लिए किराया वहनीय बनाने और परिचालन की स्थिरता के बीच संतुलन बनाए रखने के उद्देश्य से 26 दिसंबर 2025 से अपने यात्री किराया ढांचे को युक्तिसंगत बना दिया है।

संशोधित किराया संरचना के तहत उपनगरीय सेवाओं और सीजन टिकटों के किराए में कोई बदलाव नहीं किया गया है, जिसमें उपनगरीय और गैर-उपनगरीय दोनों मार्ग शामिल हैं।

साधारण नॉन-एसी (गैर-उपनगरीय) सेवाओं के लिए द्वितीय श्रेणी साधारण, स्लीपर श्रेणी साधारण और प्रथम श्रेणी साधारण में किराए को श्रेणीबद्ध तरीके से युक्तिसंगत बनाया गया है।

साधारण द्वितीय श्रेणी में 215 किमी तक की यात्राओं के लिए किराए में कोई वृद्धि नहीं है, जिससे कम दूरी और दैनिक यात्रियों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। 216 किमी से 750 किमी तक की दूरी के लिए किराया 5 रुपये बढ़ाया गया है। इससे अधिक दूरी की यात्राओं के लिए वृद्धि चरणबद्ध तरीके से लागू की गई है- 751 किमी से 1250 किमी के बीच की दूरी के लिए 10 रुपये, 1251 किमी से 1750 किमी के बीच की दूरी के लिए 15 रुपये और 1751 किमी से 2250 किमी के बीच की दूरी के लिए 20 रुपये।

स्लीपर श्रेणी साधारण और प्रथम श्रेणी साधारण में गैर-उपनगरीय यात्राओं के लिए किराए में प्रति किलोमीटर 1 पैसे की दर से एकसमान संशोधन किया गया है, जिससे किराए में क्रमिक और सीमित वृद्धि सुनिश्चित हुई है।

मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में नॉन-एसी और एसी दोनों श्रेणियों में किराए में 2 पैसे प्रति किलोमीटर की बढ़ोतरी की गई है। इसमें स्लीपर क्लास, फर्स्ट क्लास, एसी चेयर कार, एसी थ्री-टियर, एसी टू-टियर और एसी फर्स्ट क्लास शामिल हैं। उदाहरण के तौर पर नॉन-एसी मेल/एक्सप्रेस कोच में 500 किलोमीटर की यात्रा के लिए यात्रियों को लगभग 10 रुपये अतिरिक्त देने होंगे।

तेजस राजधानी, राजधानी, शताब्दी, दुरंतो, वंदे भारत, हमसफर, अमृत भारत, तेजस, महामाना, गतिमान, अंत्योदय, गरीब रथ, जन शताब्दी, युवा एक्सप्रेस, नमो भारत रैपिड रेल और साधारण गैर-उपनगरीय सेवाओं (जहां लागू हो, एसी एमईएमयू/डीईएमयू को छोड़कर) सहित प्रमुख रेल सेवाओं के मौजूदा मूल किरायों को अनुमोदित श्रेणीवार मूल किराया वृद्धि के अनुरूप संशोधित किया गया है। यह संशोधन सभी श्रेणियों में समान रूप से और एक क्रमबद्ध तरीके से किया गया है।

गौरतलब है कि आरक्षण शुल्क, सुपरफास्ट अधिभार या अन्य सहायक शुल्कों में कोई बदलाव नहीं किया गया है, ये सभी मौजूदा नियमों के अनुसार ही लागू रहेंगे। जीएसटी की प्रयोज्यता अपरिवर्तित रहेगी और किराए को प्रचलित मानदंडों के अनुसार किराय का पूर्णांकन जारी रहेगा।

संशोधित किराया केवल 26 दिसंबर 2025 को या उसके बाद बुक किए गए टिकटों पर लागू होगा।

मॉडल और एक्ट्रेस हिमांशी खुराना की हत्या पार्टनर अब्दुल ने की? पुलिस ने शुरू की जांच

(जीएनएस)।

एक्ट्रेस और मॉडल हिमांशी खुराना की हत्या उनके पार्टनर अब्दुल गफूरी ने कनाडा के टोरंटो में की है। इसके बाद हिमांशी खुराना के फैंस चौंक गए है। ऐसी खबर (पहले ट्वीटर) में तेजी से वायरल हो रही है। इसपर पूरा इंटरनेट भी दो धड़ों में बट गया है। कुछ लोगों का कहना है कि जिस हिमांशी की हत्या हुई है वो कोई दूसरी है। उसका एक्ट्रेस से कोई लेना नहीं है। वहीं कुछ लोग शोक भी मना रहे हैं। लेकिन सच क्या है? हम आपको अपनी इस रिपोर्ट में बता रहे हैं।

दरअसल (पहले ट्वीटर) की वायरल पोस्ट में लिखा है, पंजाब के कारतपुर की की हिमांशी खुराना एक पंजाबी फिल्मों की अभिनेत्री व माडल सेक्युलर हिन्दू लड़की..... सेक्युलर देश कनाडा में रहती थीं। भारत इसको इस्लामिक फोबिया से ग्रस्त दिखता था। कनाडा पहुंच इन्होने ट्वीट किया था "अंततः नफरत, हिंदू-मुस्लिम और "लव जेहाद की बकवाश" से मुक्त हो गई" पहले आसिम रियाज के साथ संबंध रखने और फिर उसको छोडकर मुक्त कनाडा की हवा में उन्हें एक धर्मनिरपेक्ष नारीवादी "अब्दुल गफूरी" भी मिल गया...दोनो Living मे रहने लगे। पिछले सप्ताह उसके अब्दुल द्वारा

उसकी हत्या करने से पहले वह सेक्युलर सपने को जी रही थी कि लव जेहाद एक झूंठ एक प्रोपगेंडा है अब वो खुद सैंकड़ों लब जेहादी की अग्नि की भेंट चढ़ गई..... नो सिंपथी।

इस पोस्ट में कोई सच्चाई नहीं है। इस पोस्ट के नीचे ही कई लोगों ने इसकी फेक खबर की सच्चाई बताई है। असल बात ये है कि जिस हिमांशी की हत्या कनाडा में हुई है वो दूसरी भारतीय नागरिक थीं। रिपोर्ट्स के अनुसार हिमांशी का कत्ल उनके पार्टनर अब्दुल गफूर ने किया है। टोरंटो पुलिस ने आरोपी के खिलाफ वारंट जारी किया है। शुरूआती रिपोर्ट्स में यह मामला पार्टनर के द्वारा हिंसा का मामला लग रहा है। टोरंटो में स्थित भारतीय दूतावास ने अपने ट्वीट में लिखा, टोरंटो में भारतीय नागरिक हिमांशी खुराना की हत्या से हम बेहद दुखी और स्तब्ध हैं। इस दुख की घड़ी में हम उनके परिवार के प्रति गहरी

दिल्ली सरकार ने प्राइवेट स्कूलों पर कसा शिकंजा, लागू किया सख्त नियम, स्कूल नहीं बढ़ा पाएंगे मनमानी फीस

(जीएनएस)।

दिल्ली सरकार ने निजी स्कूलों में मनमानी फीस बढ़ोतरी पर लगाम लगाने के लिए एक अहम कदम उठाया है। दिल्ली शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए स्कूल लेवल फीस रेगुलेशन कमेटी के गठन और संचालन को लेकर गाइडलाइन जारी की है। इस पहल का उद्देश्य राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में स्कूल फीस तय करने और विनियमित करने में पारदर्शिता बढ़ाना तथा निजी स्कूलों की मनमानी फीस वृद्धि पर शिकंजा कसना है।

दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने जानकारी दी कि यह कदम दिल्ली स्कूल शिक्षा (शुल्क निर्धारण और विनियमन में पारदर्शिता) अधिनियम, 2025 और उसके संबंधित नियमों के तहत उठाया गया है। यह अधिनियम और नियम 10 दिसंबर 2025 को अधिसूचित किए गए थे। उन्होंने व्यक्त किया कि इस निर्णय से अभिभावकों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

ऊ ऋ्रप्पी१ल्लीेल्ल३

मंत्री ने स्पष्ट किया कि अब कोई भी स्कूल मनमाने ढंग से फीस नहीं बढ़ा पाएगा। यदि फीस में वृद्धि आवश्यक है, तो समिति के समक्ष एक वैध कारण और उसका प्रस्ताव प्रस्तुत करना होगा। सूद ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, "सरकार प्रत्येक बच्चे के हित में एक संतुलित समाधान में विश्वास रखती है। टकराव की राजनीति हमारी नीति नहीं है।"

शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए प्रभावी होगा

शिक्षा निदेशालय ने इस संबंध में एक आदेश जारी किया है। यह आदेश अधिनियम की धारा 2(13) में परिभाषित प्रत्येक 'स्कूल' पर लागू होगा और शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए प्रभावी है। आदेश में कहा गया है कि अधिनियम का मुख्य उद्देश्य स्कूलों में फीस के निर्धारण और विनियमन में पारदर्शिता लाना है।

मनमाने ढंग से फीस नहीं बढ़ा सकेंगे स्कूल

मंत्री ने बताया कि यह कानून दिल्ली स्कूल शिक्षा अधिनियम, 1973 के पूरक उपाय के रूप में कार्य करता है। इसके प्राथमिक उद्देश्य फीस के निर्धारण में पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्ध निर्णयों को सुनिश्चित करना है, साथ ही अभिभावकों के हितों की रक्षा करना भी है।

समिति गठन की समयसीमा एवं नियम

सरकार ने समिति के गठन के लिए विस्तृत समय-सीमा और नियम निर्धारित किए हैं। इसके अनुसार, सभी निजी विद्यालयों को 10 जनवरी, 2026 तक अनिवार्य रूप से एसएलएफआरसी का गठन करना होगा।

समिति के अध्यक्ष और सदस्यों के नाम स्कूल के नोटिस बोर्ड और वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किए जाएंगे।

5 अभिभावक प्रतिनिधि और 3 शिक्षक प्रतिनिधि का चयन लॉटरी (ड्रॉ ऑफ लॉट्स) के माध्यम से किया जाएगा। ड्रॉ की तारीख, समय और स्थान की जानकारी कम से कम 7 दिन पहले सार्वजनिक करनी होगी।

स्कूल प्रबंधन को 25 जनवरी, 2026 तक प्रस्तावित शुल्क संरचना समिति को प्रस्तुत करनी होगी।

समिति को 30 दिनों के भीतर फीस प्रस्ताव पर कारणों सहित निर्णय लेना अनिवार्य है।

नियमों का पालन न करने, देरी करने या मनमानी करने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है और इसके कड़ाई से अनुपालन के निर्देश दिए गए हैं।

समिति में से पांच सदस्य अभिभावकों के प्रतिनिधि होंगे

यह ध्यान देने योग्य है कि 11 सदस्यीय समिति में से पांच सदस्य अभिभावकों के प्रतिनिधि होंगे, जबकि शेष सदस्य स्कूल प्रबंधन और शिक्षकों का प्रतिनिधित्व करेंगे। फीस वृद्धि से संबंधित सभी प्रस्तावों को 25 जनवरी, 2026 तक समिति के समक्ष प्रस्तुत करना अनिवार्य है।

अभिभावकों की शिकायतों का निवारण करेंगी

समिति इन प्रस्तावों पर चर्चा कर अपनी सिफारिशें देगी, जिसके बाद अंतिम निर्णय लिया जाएगा। इसके अतिरिक्त, शुल्क नियंत्रण समितियां केवल स्कूल स्तर पर ही नहीं, बल्कि जिला स्तर पर भी गठित की जाएंगी। ये समितियां किसी भी अनियमितता की निगरानी करेंगी और अभिभावकों की शिकायतों का निवारण करेंगी।

यह भी निर्देश दिया गया है कि शैक्षणिक वर्ष 2026-27 से आगे, अधिनियम और नियमों में स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट की गई सभी समय-सीमाओं का अत्यंत कड़ाई के साथ पालन करना अनिवार्य होगा, ताकि व्यवस्था में निरंतरता और सटीकता बनी रहे।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय राष्ट्रीय स्तर पर 'वीर बाल दिवस' मनाएगा और 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार' प्रदान किए जाएंगे

- राष्ट्रपति द्वारा 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार' प्रदान किए जाएंगे
- विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धियां हासिल करने वाले 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 20 बच्चों का चयन 'प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार' के लिए किया गया
- वीर बाल दिवस पर के राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री उपस्थिति रहेंगे
- कार्यक्रम में भारत के युवा वीरों के साहस, बलिदान और अनुकरणीय मूल्यों का स्मरण किया जाएगा
- केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्वागत भाषण देंगी

(जीएनएस)।

भारत सरकार का महिला एवं बाल विकास मंत्रालय कल (26 दिसंबर 2025) को राष्ट्रीय स्तर पर वीर बाल दिवस मनाएगा। इस अवसर पर भारत के युवा वीरों के साहस, बलिदान और अनुकरणीय मूल्यों को स्मरण किया जाएगा। इसी दिन विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण उपलब्धियाँ हासिल करने वाले बच्चों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार (पीएमआरबीपी) प्रदान किए जाएंगे।

प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार

भारत सरकार द्वारा प्रतिवर्ष बच्चों को प्रदान किया जाने वाला एक प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मान है। यह पुरस्कार वीरता,कला एवं संस्कृति, पर्यावरण,सामाजिक सेवा,विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा खेल के क्षेत्रों में असाधारण उत्कृष्टता के लिए प्रदान किया जाता है। वर्ष 2025 में 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से 20 बच्चों का इस सम्मान के लिए चयन किया गया है। यह पुरस्कार भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु द्वारा 26 दिसंबर 2025 को प्रातः 10:00 बजे,विज्ञान भवन,नई दिल्ली में आयोजित एक विशेष समारोह में प्रदान किया जाएगा।

वीर बाल दिवस 2025 का राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम 26 दिसंबर 2025 को भारत मंडपम,नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। इस राष्ट्रीय आयोजन के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति भी रहेगी, जो बच्चों और युवाओं को संबोधित करेंगे तथा राष्ट्र निर्माण में युवा नागरिकों की भूमिका को रेखांकित करेंगे। यह कार्यक्रम वीरता,दृढ़ता और निस्वार्थ सेवा की प्रेरक कहानियों को प्रस्तुत करेगा,जिससे बच्चों और युवाओं को प्रेरणा मिलेगी तथा विकसित भारत @2047 के अनुरूप सशक्त और जिम्मेदार नागरिकों के निर्माण के प्रति भारत सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया जाएगा। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी स्वागत भाषण देंगी।

इस कार्यक्रम में देशभर से स्कूली बच्चे,प्रधानमंत्री राष्ट्रीय बाल पुरस्कार प्राप्तकर्ता तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति भाग लेंगे। भारत की समृद्ध सभ्यतागत विरासत और वीरता की भावना को प्रदर्शित करने वाली सांस्कृतिक प्रस्तुतियां समारोह का प्रमुख हिस्सा होंगी।

वीर बाल दिवस 2025 के इस राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम का 26 दिसंबर 2025 को दोपहर 12:30 बजे से एनआईसी वेबकास्ट,डीडी न्यूज तथा महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के यूट्यूब चैनल पर सीधा प्रसारित किया जाएगा, जिससे देशभर में व्यापक सहभागिता सुनिश्चित हो सकेगी।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

सम्पादकीय

भारत-चीन सम्बंधों पर आई पेंटागन की रिपोर्ट चिंताजनक

अमेरिकी रक्षा विभाग यानि पेंटागन की जारी रिपोर्ट में भारत के साथ वाशिगटन डीसी के संबंधों को तो रणनीतिक बताया गया है जबकि चीन पर आरोप लगाया गया है कि वह अपने व भारत के बीच वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर तनाव कम करके अमेरिका के साथ भारत के संबंधों को तनाव पूर्ण बना रहा है। अमेरिका के इस आरोप को चीन के विदेश मंत्रालय के प्रावक्ता लिन जियान ने गलत और शरारतपूर्ण बताते हुए कहा कि चीन भारत के साथ स्थाईं और दीर्घकालिक संबंधों को बनाए रखने के लिए हमेशा तत्पर रहता है। रही बात एलएसी पर शांति की तो दोनों देशों के बीच जो भी सीमा विवाद है उसे हम समझदारी से हल करने का प्रायास करते हैं। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रावक्ता ने स्पष्ट किया कि दोनों देश आपसी विवादों को सुलझाने में सतत प्रायास कर रहे हैं। दरअसल बात यह है कि अमेरिका एक तरफ तो चाहता है कि भारत चीन के साथ भी न दिखे जबकि दूसरी तरफ वह नईं दिल्ली के साथ तनाव पैदा करने का कोईं अवसर नहीं छोड़ता। विकास के साथी यूरोपियन देश खुद उससे दूरी बना रहे हैं क्योंकि उन्होंने अमेरिकी हितों से खुद का शोषण होने से बचाने के लिए ही यूरोपियन यूनियन का गठन किया था लेकिन अब उन्हें इस बात का एहसास होने लगा है कि अमेरिकी रक्षा एवं आर्थिक हितों के लिए यही अनुवूल होगा कि यूरोपीय देश स्वतंत्रतापूर्वक अपनी नीतियों का निर्धारण करें ही न। इसलिए यूरोपीय देशों की समझ में यह बात आने लगी है कि भारत स्वतंत्र विदेश, रक्षा और आर्थिक नीतियों के कारण ही आज ब्रिटेन, प्रांस, जापान जैसे देशों को पीछे छोड़कर चौथे स्थान पर पहुंच गया किन्तु यूरोपीय देश जो हमेशा आगे ही रहते थे, आज स्थिरता के शिकार हो गए हैं। असल में अमेरिका यह समझता है कि भारत और चीन से सीमा विवाद के कारण शत्रुता है, इसलिए भारत विवश होकर ही वाशिगटन डीसी के साथ रणनीतिक संबंध जारी रखेगा। आज भी अमेरिका भारत को समझने में गलती कर रहा है। भारत पूरी तरह न तो किसी देश के साथ है और न ही खिलाफ। भारत इस बात को अच्छी तरह जानता है कि यदि वह अमेरिका के साथ पूरी तरह चला गया तो न सिर्प चीन के साथ कड़वाहट बढ़ जाएगी बल्कि जिस तरह रक्षा उत्पादन में उसे रूस का साथ मिल रहा है, वह मुश्किल हो जाएगा। इसी तरह भारत यह भी जानता है कि यदि वह पूरी तरह रूस और चीन के साथ चला जाएगा तो नईं दिल्ली के लिए अमेरिका और यूरोपीय देशों से सहयोग लेना मुश्किल हो जाएगा। यही कारण है कि अब भारत जरूरतों के मुताबिक ही सभी देशों से संबंध, सहयोग एवं बातचीत का सिलसिला जारी रख रहा है। भारत अब न तो किसी मित्र देश के लिए किसी मित्र देश के साथ व्यवहार बदलता है और न ही किसी देश के लिए किसी से संबंधों को छोड़ता है। इसका मतलब भारत ने अपने संबंधों को सभी देशों के साथ सामान्य या प्रागढ़ रखने के लिए अपने राष्ट्रीय हितों को मानदंड मानता है। सच तो यह है कि 1962 को छोड़कर भारत ने कभी भी चीन के मामले में अमेरिका से कोईं मदद मांगी ही नहीं है। अमेरिका में 1962 जैसे नेतृत्व आज है भी नहीं। आज का नेतृत्व परिणामों के आधार पर संबंधों का निर्धारण करता है जबकि अमेरिकी प्राशासन 1960 के दशक तक कारणों का मूल्यांकन करके परिणाम निकालता रहा है। असल में पहले का अमेरिकी प्राशासन भी अपने देश के राष्ट्रीय हितों को महत्व देता था जबकि आज का नेतृत्व व्यक्तिगत हितों को कमजोर रिश्तों का मापदंड बनाने की कोशिश करता है। पेंटागन के नजरिए में जब तक बदलाव नहीं आएगा, तब तक वह इसी तरह के भारत-चीन के बीच संबंधों का निष्कर्ष निकालता रहेगा।

सुशासन दिवस समारोह : गांधीनगर : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के करकमलों से गुजरात सरकार ने इंटीग्रेटेड रिन्यूएबल एनर्जी पॉलिसी-2025 लॉन्च की

- स्वच्छ एवं टिकाऊ ऊर्जा प्रणाली की दिशा में गुजरात का नीतिगत विजन
- रिन्यूएबल एनर्जी, बैटरी स्टोरेज और नवोन्मेषी तकनीक के जरिए ग्रीन ग्रोथ को गति
- कैप्टिव और थर्ड पार्टी रिन्यूएबल परियोजनाओं के लिए कमीशनिंग समय सीमा में संशोधन
- विंड रीपावरिंग और रीफर्बिशमेंट के लिए प्रावधान

गांधीनगर, 25 दिसंबर : सुशासन के प्रणेता और पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती, 25 दिसंबर को हर साल देश भर में सुशासन दिवस के रूप में मनाया जाता है।

गुरुवार को गांधीनगर में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में मुख्यमंत्री के करकमलों से गुजरात सरकार द्वारा इंटीग्रेटेड रिन्यूएबल एनर्जी पॉलिसी-2025 लॉन्च की गई।

मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन और ऊर्जा मंत्री श्री ऋषिकेश पटेल एवं राज्य मंत्री श्री कौशिक वेकरिया के नेतृत्व में ऊर्जा विभाग ने जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने और स्वच्छ एवं टिकाऊ ऊर्जा प्रणालियों की दिशा में तेज गति से परिवर्तन सुनिश्चित करने के लिए गुजरात इंटीग्रेटेड रिन्यूएबल एनर्जी पॉलिसी-2025 तैयार की है।

भारत के पंचामृत संकल्पों, राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) तथा 'विकसित गुजरात@2047' के विजन के अनुरूप यह पॉलिसी राज्य में रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में निवेश, नवाचार और ग्रिड स्थिरता को बढ़ावा देकर गुजरात को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी क्लीन एनर्जी हब के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक अहम कदम है।

रिन्यूएबल एनर्जी के क्षेत्र में राज्य की नेतृत्व की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए और वर्ष 2030 तक 100 गीगावाट से अधिक क्षमता हासिल करने का लक्ष्य रखते हुए तथा भारत के वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता के लक्ष्य में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए गुजरात इंटीग्रेटेड रिन्यूएबल पॉलिसी-2025 की घोषणा की जा रही है।

इस पॉलिसी का उद्देश्य सरल और एकीकृत फ्रेमवर्क के माध्यम से ईज ऑफ डूइंग बिजनेस यानी कारोबार सुगमता को बढ़ाना, नवोन्मेषी एवं उभरती प्रौद्योगिकियों को प्रोत्साहन देना, ग्रिड की स्थिरता बढ़ाना, हरित ऊर्जा क्षेत्र में रोजगार सृजन करना तथा ऊर्जा सुरक्षा, किफायती दर एवं टिकाऊ आर्थिक विकास सुनिश्चित करते हुए गुजरात को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी रिन्यूएबल एनर्जी हब के रूप में स्थापित करना है।

इस पॉलिसी का मुख्य आधार बड़े पैमाने पर रिन्यूएबल एनर्जी एकीकरण और ग्रिड स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) को प्रोत्साहन देना और एकीकृत करना है। इसमें सोलर, विंड और हाइब्रिड परियोजनाओं के साथ ग्रिड-कनेक्टेड और को-लोकेटेड बीईएसएस परियोजनाओं को प्रोत्साहन दिया गया है। ट्रांसमिशन सपोर्ट, ग्रिड सहायक सेवाओं, डिस्ट्रिब्यूशन यूटिलिटिज और अंतिम उपभोक्ताओं के लिए बीईएसएस के उपयोग के आयोजन पर विचार किया गया है। बीईएसएस की स्थापना के लिए रणनीतिक स्थान स्टेट नोडल एजेंसी गुजरात ऊर्जा विकास एजेंसी (जीईडीए) द्वारा गुजरात ऊर्जा ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमि. (जीईटीसीओ), राज्य भार प्रेषण केंद्र (एसएलडीसी) और विद्युत वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) के साथ समन्वय कर निर्धारित किया जाएगा।

आरई पॉलिसी-2025 के अंतर्गत रिन्यूएबल एनर्जी परियोजनाओं के लिए, मुख्य रूप से कैप्टिव और थर्ड पार्टी बिक्री की परियोजनाओं के लिए कमीशनिंग समय सीमा में संशोधन के लिए अनुकूलता प्रदान की गई है। इवैक्यूएशन इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए कमीशनिंग समय सीमा को परियोजना क्षमता के बजाय वोल्टेज लेवल के आधार पर सुसंगत बनाया गया है। परियोजना तथा इवैक्यूएशन लाइन की कमीशनिंग के लिए अतिरिक्त समय मंजूर किया गया है, जिससे परियोजना का क्रियान्वयन और भी सुगम हो जाएगा।

आरई पॉलिसी-2025, विंड रीपावरिंग एंड रीफर्बिशमेंट के लिए नेशनल रीपावरिंग पॉलिसी के अनुरूप सहायक फ्रेमवर्क स्थापित करती है। मौजूदा विंड टर्बाइन जनरेटर्स को अनिवार्य रूप से डिसमेंटल किए बिना रीपावरिंग और रीफर्बिशमेंट की मंजूरी दी गई है, और इसके लिए समय सीमा को 24 महीने तक बढ़ा दिया गया है। सहायक कदमों में रीपावरिंग समय सीमा के दौरान मौजूदा बिजली खरीद समझौते (पीपीए) की अवधि में विस्तार, ट्रांजिशन के दौरान इस्तेमाल न की गई ट्रांसमिशन क्षमता पर ट्रांसमिशन शुल्क में छूट, रिन्यूएबल एनर्जी कनेक्टिविटी क्षमता बढ़ाने के लिए प्राथमिकता और माइक्रो-सायटिंग नियमों में राहत शामिल है।

अमित शाह का संकेत और मध्यप्रदेश की नई सत्ता-व्यवस्था

(जीएनएस)।

भारतीय राजनीति में कई बार सबसे निर्णायक घटनाएँ भाषणों से नहीं, बल्कि मौन बैठकों और प्रतीकात्मक संकेतों से तय होती हैं। ग्वालियर में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का हालिया दौरा भी इसी श्रेणी में आता है। इसे केवल एक सरकारी कार्यक्रम या विकास केंद्रित आयोजन मानना राजनीतिक दृष्टि से भारी भूल होगी। दरअसल, यह दौरा मध्यप्रदेश की भविष्य की सत्ता-संरचना और नेतृत्व के स्थायित्व पर अंतिम मुहर लगाने वाला साबित हुआ है।

ग्वालियर के ताज होटल के मराठा सूट में अमित शाह और वरिष्ठ भाजपा नेता कैलाश विजयवर्गीय के बीच हुई एकांत चर्चा, उसके बाद प्रदेश के अन्य दिग्गज नेताओं से अलग-अलग संवाद, और फिर मंच से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मुक्त कंठ से की गई प्रशंसा-यह पूरा क्रम किसी संयोग का परिणाम नहीं था। यह एक सुनियोजित राजनीतिक पटकथा थी, जिसका उद्देश्य भोपाल की राजनीति को यह स्पष्ट रूप से समझाना था कि अब सत्ता की धुरी, दिशा और निर्णय केंद्र कहां स्थित है।

कैलाश विजयवर्गीय केवल एक वरिष्ठ नेता नहीं हैं, बल्कि वे भाजपा के उस वर्ग का प्रतिनिधित्व करते हैं, जिसने संगठन और सरकार-दोनों में शक्ति संतुलन के कई दौर देखे हैं। अमित शाह के साथ उनकी एकांत बैठक को इस दृष्टि से देखना चाहिए कि पार्टी नेतृत्व अब पुराने अनुभव और नए नेतृत्व के बीच किसी भी प्रकार की असमंजस की स्थिति को समाप्त करना चाहता है।

इसके बाद मंच से मुख्यमंत्री मोहन यादव की जिस तरह प्रशंसा की गई, वह केवल उनके कार्यों की सराहना नहीं थी। वह उन सभी राजनीतिक अटकलों पर विराम था, जो यह मानकर चल रही थीं कि नेतृत्व का केंद्र कहीं और से संचालित हो सकता है। दिल्ली ने यह साफ कर दिया कि *मध्यप्रदेश में अब सत्ता का एक ही चेहरा है मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव।

अमित शाह की शैली को समझने वाले जानते हैं कि वे सार्वजनिक मंच से बिना कारण किसी की तारीफ नहीं करते। उनकी हर प्रशंसा के भीतर संगठनात्मक अनुशासन का संदेश छिपा होता है। ग्वालियर से दिया गया यह संदेश केवल मुख्यमंत्री के समर्थन का नहीं था, बल्कि पार्टी के भीतर मौजूद सभी संभावित शक्ति-केंद्रों के लिए भी था।

यह संकेत था कि अब समानांतर राजनीति, अलग-अलग गुटों की सक्रियता या व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाओं के लिए सीमित स्थान है। हाईकमान चाहता है कि प्रदेश में राजनीति समन्वय, स्पष्ट नेतृत्व और अनुशासन के सिद्धांत पर आगे बढ़े।

राजनीतिक हलकों में यह चर्चा तेज है कि मुख्यमंत्री मोहन यादव को अब 'फ्री हैंड' मिलने जा रहा है। लेकिन इसका अर्थ केवल प्रशासनिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं है। राजनीति में फ्री हैंड का मतलब होता है-

निर्णय लेने की पूरी स्वतंत्रता,

और उन निर्णयों की पूरी जवाबदेही।

यह वही भरोसा है, जो केंद्रीय नेतृत्व केवल तब देता है, जब उसे लगता है कि नेतृत्व प्रयोग नहीं, बल्कि दीर्घकालिक निवेश* है। अमित शाह का खुला समर्थन इस बात का संकेत है कि पार्टी अब मध्यप्रदेश में अस्थिरता या प्रयोग की राजनीति से आगे बढ़कर स्थायित्व चाहती है।

अब सवाल यह नहीं है कि मुख्यमंत्री कौन है-यह तय हो चुका है। असली सवाल यह है कि भविष्य के सत्ता-समीकरण कैसे आकार लेंगे।

पहला, संगठन और सरकार के बीच संतुलन अब स्पष्ट रूप से मुख्यमंत्री के पक्ष में झुका हुआ दिखाई देता है। इसका मतलब यह नहीं कि संगठन कमजोर होगा, बल्कि यह कि संगठनात्मक निर्णय और सरकारी निर्णय एक ही दिशा में चलेंगे।

दूसरा, वे नेता जो अब तक अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर असमंजस में थे, उन्हें यह संदेश मिल चुका है कि आगे बढ़ने का रास्ता मुख्यमंत्री के साथ समन्वय से होकर ही जाता है। अलग-थलग चलने की राजनीति अब लाभकारी नहीं रहेगी।

तीसरा, मंत्रिमंडल और प्रशासनिक संरचना में भी आने वाले समय में ऐसे संकेत दिख सकते हैं, जो यह दशाएँ कि मुख्यमंत्री को नीतिगत और प्रशासनिक फैसलों में अधिक स्वतंत्रता दी जा रही है। यह बदलाव धीरे-धीरे लेकिन स्थायी होगा।

दिल्ली से आया यह संदेश भोपाल की राजनीति के लिए एक साथ अवसर भी है और चेतावनी भी। जो नेता इस संकेत को समय रहते समझ लेंगे, वे सत्ता के केंद्र में बने रहेंगे। जो इसे अनदेखा करेंगे, उनके लिए राजनीतिक हाशिये पर जाने का खतरा बढ़ेगा।

राजनीति में सबसे बड़ा जोखिम अस्पष्टता होती है। ग्वालियर में अमित शाह ने उसी अस्पष्टता को समाप्त किया है। अब यह साफ है कि आने वाले समय में मध्यप्रदेश की राजनीति एक नेतृत्व, एक निर्णय केंद्र और एक दिशा के सिद्धांत पर आगे बढ़ेगी।

दिल्ली ने अपना संदेश दे दिया है। अब भोपाल की राजनीति की परीक्षा है। सवाल अब 'कौन मुख्यमंत्री है' का नहीं, बल्कि 'कौन इस नेतृत्व के साथ कैसे खड़ा होता है' का है।

राजनीति में जो संकेत समय पर पढ़ लेता है, वही भविष्य का हिस्सा बनता है।

बाकी-सत्ता की कहानी में केवल संदर्भ बनकर रह जाते हैं।

रोहित शर्मा ने तोड़ा अपना ही सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड, डेविड वॉर्नर की बराबरी कर रचा इतिहास

(जीएनएस)।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उन्हें 'हिटमैन' क्यों कहा जाता है। घरेलू क्रिकेट में करीब 7 साल बाद वापसी करते हुए रोहित ने विजय हजारे ट्रॉफी में सिक्किम के खिलाफ ऐसी पारी खेली, जिसने रिकॉर्ड बुक के पन्नों को पलट कर रख दिया। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले गए इस मैच में रोहित ने न केवल अपनी फॉर्म दिखाई, बल्कि दुनिया के बड़े-बड़े दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया।

वॉर्नर के वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी

सिक्किम के खिलाफ 155 रनों की तूफानी पारी खेलकर रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज डेविड वॉर्नर के एक बड़े विश्व रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। अब रोहित के नाम लिस्ट-ए (50 ओवर फॉर्मेट) क्रिकेट में 9 बार 150 से अधिक का स्कोर बनाने का रिकॉर्ड दर्ज हो गया है।

रोहित ने अपने करियर में 8 बार भारत के लिए वनडे मैचों में 150+ रन बनाए हैं, जबकि एक बार उन्होंने मुंबई के लिए खेलते हुए यह कारनामा किया। वहीं वॉर्नर ने 210 मैचों में 9 बार यह जादुई आंकड़ा छुआ था।

सिर्फ 62 गेंदों में जड़ा शतक

इस मैच की सबसे बड़ी हाईलाइट रोहित का शतक रहा। उन्होंने महज 62 गेंदों में अपनी सेंचुरी पूरी की। यह रोहित के करियर का सबसे तेज शतक है। इससे पहले उनका सबसे तेज शतक 63 गेंदों में था, जो उन्होंने 2023 वनडे वर्ल्ड कप में अफगानिस्तान के खिलाफ दिल्ली में बनाया था। 94 गेंदों की अपनी पारी में रोहित ने 18 चौके और 9 छक्के जड़े। उनका स्ट्राइक रेट 164.89 का रहा, जिसने विपक्षी गेंदबाजों को पूरी तरह पस्त कर दिया।

बने दूसरे सबसे उम्रदराज शतकवीर

38 साल और 238 दिन की उम्र में शतक जड़कर रोहित विजय हजारे ट्रॉफी के इतिहास में सेंचुरी लगाने वाले दूसरे सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए हैं। इस सूची में पहले स्थान पर बंगाल के अनुस्तूप मजूमदार हैं, जिन्होंने 39 साल की उम्र में यह उपलब्धि हासिल की थी। रोहित शर्मा दुनिया के इकलौते ऐसे बल्लेबाज हैं जिनके नाम लिस्ट-ए क्रिकेट में तीन दोहरे शतक हैं। उनकी 264 (बनाम श्रीलंका), 209 (बनाम ऑस्ट्रेलिया) और 208* (बनाम श्रीलंका) जैसी पारियां आज भी क्रिकेट प्रेमियों के जेहन में ताजा हैं।

कौन हैं शैरोन वर्मा? जिनकी कॉमेडी से बिलबिला उठे इस्लामी कट्टरपंथी! बिहार की लड़की ने मचाया बवाल

(जीएनएस)।

'इंडियाज गॉट लेटेंट' से पहचान बनाने वाली स्टैंड-अप कॉमेडियन शैरोन वर्मा इन दिनों सोशल मीडिया के सबसे बड़े विवाद का चेहरा बन चुकी हैं। वजह कोई राजनीतिक बयान नहीं, बल्कि एक तंज भरा जोक है। एक वीडियो क्लिप ने शैरोन को अचानक ट्रोलिंग, धमकियों और वैचारिक हमलों के केंद्र में ला खड़ा किया है। शैरोन वर्मा की कॉमेडी पर 'इस्लामी कट्टरपंथी' भड़क उठे हैं। ये पूरा विवाद 'Free Palestine' से जुड़ा हुआ है।

शैरोन वर्मा देश की जानी-मानी स्टैंड-अप कॉमेडियन हैं। बिहार पटना की रहने वाली शैरोन वर्मा के इंस्टाग्राम और यूट्यूब पर लाखों फॉलोअर्स हैं। ऐसे में आइए जानते हैं कि शैरोन वर्मा को लेकर क्यों विवाद हो रहा है। इसके साथ उनके करियर और बैकग्राउंड के बारे में आपको और जानकारी देंगे।

शैरोन वर्मा का वायरल वीडियो और विवाद की शुरूआत

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में शैरोन वर्मा अपने शो के दौरान दर्शकों के ऑनलाइन कमेंट्स पढ़ती दिखती हैं। इसी दौरान उन्होंने एक ऐसे यूजर का जिक्र किया, जिसकी प्रोफाइल बायो में 'Free Palestine' लिखा था, लेकिन जिसने शैरोन को "रसोई में जाकर बर्तन धोने" जैसी बात कही थी। शैरोन ने इस पर तंज कसते हुए उस दोहरी मानसिकता पर कटाक्ष किया, जो एक तरफ खुद को प्रगतिशील बताती है और दूसरी तरफ महिलाओं के लिए अपमानजनक भाषा इस्तेमाल करती है। यही तंज विवाद की जड़ बन गया।

वीडियो सामने आते ही कुछ सोशल मीडिया अकाउंट्स ने आरोप लगाया कि शैरोन ने 'Free PÔlesti»fe' जैसे संवेदनशील नारे का मजाक उड़ाया है। देखते ही देखते मामला (ट्विटर का बदला हुआ नाम) पर ट्रेंड करने लगा। कई पोस्ट्स में इसे धार्मिक और राजनीतिक भावनाओं से जोड़ दिया गया, जबकि कुछ जगहों पर भाषा बेहद आक्रामक और धमकी भरी हो गई।

विरोध करने वालों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय मुद्दों से जुड़े शब्दों को कॉमेडी में लाना गलत है, चाहे इरादा कुछ भी क्यों न हो। इसी तर्क के सहारे शैरोन को कटघरे में खड़ा किया गया।

विवाद के बीच Muslim IT Cell से जुड़े अकाउंट्स और समर्थकों ने शैरोन पर निजी हमले शुरू कर दिए। पोस्ट्स में उनके बिहार से होने, मुंबई में पली-बढ़ी होने और 'फैमिली स्ट्रगल' की कहानी पर सवाल उठाए गए।

कई यूजर्स ने आरोप लगाया कि शैरोन ने इंसानी त्रासदी को तमाशा बनाया है, जबकि कुछ ने यहां तक लिखा कि "नरसंहार पर मजाक कॉमेडी नहीं, घटियापन है"।

शैरोन वर्मा पर क्यों बरस रहा है कट्टरपंथी गुस्सा?

सोशल मीडिया पर कई यूजर्स का दावा है कि शैरोन वर्मा के खिलाफ माहौल बनाने में वही इस्लामी कट्टरपंथी एक्टिव हैं, जिन्हें कभी मुनव्वर फारूकी की तीखी और हिंदू-विरोधी टिप्पणियां 'कॉमेडी' लगती थीं। लोगों का कहना है कि यह पूरा मामला दोहरे मापदंडों और चयनात्मक आक्रोश की साफ मिसाल बन चुका है।

ने तोड़ा एबी डिविलियर्स का 10 साल पुराना वर्ल्ड रिकॉर्ड, विजय हजारे ट्रॉफी में रचा इतिहास

(जीएनएस)।

भारतीय क्रिकेट में वैभव सूर्यवंशी का नाम पिछले कुछ समय से लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 के प्लेट ग्रुप मुकाबले में बिहार के इस 14 वर्षीय बल्लेबाज ने वह कर दिखाया, जो क्रिकेट के इतिहास में आज तक बड़े-बड़े दिग्गज भी नहीं कर सके। अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ खेलते हुए वैभव ने न सिर्फ रनों की बारिश की, बल्कि वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी।

एबी डिविलियर्स का 10 साल पुराना रिकॉर्ड ध्वस्त

वैभव सूर्यवंशी ने अपनी 190 रनों की ऐतिहासिक पारी के दौरान साउथ अफ्रीका के दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स का एक बड़ा रिकॉर्ड तोड़ दिया। डिविलियर्स ने 2015 वर्ल्ड कप में वेस्टइंडीज के खिलाफ 64 गेंदों में 150 रन बनाए थे। लेकिन समस्तीपुर के इस लाल ने महज 59 गेंदों में 150 रन ठोककर 'मिस्टर 360' को पीछे छोड़ दिया और लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे तेज 150 रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए।

लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे युवा शतकवीर

वैभव ने इस मैच में 84 गेंदों पर 190 रन बनाए, जिसमें 16 चौके और 15 गगनचुंबी छक्के शामिल थे। इस शतकीय पारी के साथ ही उन्होंने एक अनोखा कीर्तिमान स्थापित किया है। वह दुनिया के पहले पुरुष क्रिकेटर बन गए हैं, जिन्होंने 15 साल की उम्र पूरी करने से पहले लिस्ट-ए (वनडे) और टी20, दोनों फॉर्मेट में शतक जमाए हैं। 14 साल 272 दिन की उम्र में शतक लगाकर वह लिस्ट-ए क्रिकेट में सबसे युवा शतकवीर बन गए हैं। उन्होंने पाकिस्तान के जहूर इलाही का 1986 से चला आ रहा रिकॉर्ड तोड़ दिया।

सबसे तेज शतकों की रेस में बिहार का दबदबा

वैभव ने अपना शतक सिर्फ 36 गेंदों में पूरा किया। हालांकि, दिलचस्प बात यह रही कि इसी मैच में उनके साथी खिलाड़ी और बिहार के कप्तान साकिबुल गनी ने महज 32 गेंदों में शतक जड़कर भारत की ओर से लिस्ट-ए में सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। वहीं, एक अन्य मैच में ईशान किशन ने भी 33 गेंदों में सेंचुरी ठोकी। फिलहाल वैभव भारत के लिए सबसे तेज लिस्ट-ए शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में चौथे स्थान पर हैं।

क्यों कार्तिक अपने नाम के आगे लगाते हैं 'आर्यन'? क्या है इनकी जाति?

(जीएनएस)।

आज पर्दे पर कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे की फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' रिलीज हुई है। क्रिसमस के मौके पर रिलीज हुई ये फिल्म लोगों को सर्द मौसम में रूमानियत का एहसास कराती है, फिल्म को ठीक-ठाक ओपनिंग मिली है, लोगों को कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे को कमेस्ट्री पसंद आ रही है, हालांकि पुराने गानों को रीक्रिएट करने की वजह से कार्तिक आर्यन ट्रोलर्स के हत्थे भी चढ़ें हैं लेकिन इसके बावजूद कार्तिक आर्यन ही सोशल मीडिया पर इस वक्त चर्चा का केंद्र बने हुए हैं।

आपको बता दें कि बहुत कम वक्त में इंडस्ट्री में स्पेशल जगह बनाने वाले कार्तिक आर्यन के सरनेम को लेकर अक्सर लोग कन्फ्यूज हो जाते हैं और उन्हें लेकर उनकी कास्ट का अंदाजा लगाने लगते हैं। आर्यन उनका सरनेम नहीं है, बल्कि उन्होंनें अपने नाम के आगे आर्यन इसलिए लगाया क्योंकि उन्हें लगता था कि शोबिज के लिए ये नाम ज्यादा पावरफुल और अटरेक्शन पैदा करने वाला है।

खास बात ये है कि 'आर्यन' उनका मध्य नाम था जिसे उन्होंने सरनेम ' की जगह इस्तेमाल करना शुरू कर दिया, मालूम हो कि कार्तिक का सरनेम तिवारी है यानी कि उनका पूरा नाम कार्तिक आर्यन तिवारी है, बिना किसी फिल्मी गॉडफादर के इंडस्ट्री में पहचान बनाने वाले कार्तिक आर्यन का जन्म 22 नवंबर 1990 को ग्वालियर, मध्य प्रदेश में हुआ था।

वो एक पढ़े-लिखे संभ्रात परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उनके मम्मी-पापा डॉक्टर हैं। उनके पिता मनीष तिवारी, एक पीडियाट्रिशियन हैं, और उनकी मां, माला तिवारी, एक गायनेकोलॉजिस्ट है।

कार्तिक आर्यन तिवारी उपनाम से आते हैं और उनका परिवार ब्राह्मण समुदाय से जुड़ा माना जाता है हालांकि खुद कार्तिक आर्यन ने कभी भी अपनी जाति को अपनी पहचान का आधार नहीं बनाया। वे अक्सर इंटरव्यू में कहते हैं कि मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास ही उनकी असली पहचान है।

कार्तिक आर्यन को एक डाउन-टू-अर्थ, मेहनती और अनुशासित अभिनेता माना जाता है। वे सोशल मीडिया पर भी काफी लोकप्रिय हैं और युवाओं के बीच उनकी बड़ी फैन फॉलोइंग है। आर्यन ने अपनी स्कूल की पढ़ाई सेंट पॉल स्कूल, ग्वालियर से की, बाद में उन्होंने डीवाई पाटिल यूनिवर्सिटी, नवी मुंबई, महाराष्ट्र से बायोटेक्नोलॉजी में इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की लेकिन उन्हें शुरू से ही फिल्मों का शौक था और एक्टिंग के क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते थे।

आर्यन ने यूनिवर्सिटी में रहते हुए मॉडलिंग करियर शुरू किया और तीन साल तक फिल्मों के लिए ऑडिशन देने में असफल रहने के बाद, उन्होंने क्रिएटिंग कैरेक्टर्स इंस्टीट्यूट से एक्टिंग कोर्स किया। उन्होंने अपने माता-पिता को एक्टर बनने की अपनी इच्छा के बारे में तभी बताया जब उन्होंने अपनी पहली फिल्म साइन की। बाद में, अपनी पहली फिल्म रिलीज होने के बाद, उन्होंने अपनी मां के कहने पर अपनी इंजीनियरिंग की डिग्री पूरी की।

एक वृक्ष अटल जी के नाम : फखरपुर के सभी विद्यालयों में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की जयंती बड़े उल्लास पूर्वक से मनाई गयी

(जीएनएस)।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश शासन एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बहराइच के आदेश अनुसार खंड शिक्षा अधिकारी फखरपुर राकेश कुमार के निर्देशन में विकासखंड फखरपुर के सभी विद्यालयों में भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की जयंती बड़े उल्लास पूर्वक से मनाई गयी । इस अवसर पर अटल जी की कविताओं का गायन किया गया तथा सभी छात्र-छात्राओं को अटल जी के जीवन दर्शन और उपलब्धियों के बारे

में विस्तार से बताया गया । इसी क्रम में प्राथमिक विद्यालय साईगांव एवं उच्च प्राथमिक विद्यालय रतनपुर में भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेई के जन्म दिवस पर एक छायादार वृक्ष लगाकर सभी अभिभावकों को एवं ग्रामीणों से एक वृक्ष अटल जी के नाम लगाने का संकल्प कराया गया। इस अवसर पर नोडल शिक्षक संकुल साकेत भूषण तिवारी, शिक्षक बृजराज सिंह, सौरभ गुप्ता, मंजू देवी, प्रधान अध्यापक कल्पना तिवारी, शिक्षक अमित आर्य, फुरकान, कलीम, राजकुमार, सत्येंद्र सहित अनेक अभिभावक और ग्रामीण उपस्थित रहे।

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्म शताब्दी के अवसर पर जिला पंचायत सभागार में कार्यक्रम का किया गया आयोजन

(जीएनएस)।

प्रयागराज 25 दिसम्बर

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 अटल बिहारी वाजपेयी जी के जन्म शताब्दी के अवसर पर गुरूवार को जिला पंचायत सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मा0 सांसद फूलपुर श्री प्रवीण पटेल बतौर मुख्य अतिथि के रूप में एवं जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा तथा भाजपा जिलाध्यक्ष गंगापार श्रीमती निर्मला पासवान की उपस्थिति में दीप प्रज्जवलन कर एवं स्व0 अटल बिहारी वाजपेयी जी के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर लखनऊ में आयोजित राष्ट्र प्रेरणा स्थल के लोकार्पण कार्यक्रम में मा0 प्रधानमंत्री जी व मुख्यमंत्री जी के उद्बोधन का सजीव प्रसारण जिला पंचायत सभागार में किया गया।

इस अवसर पर मा0 सांसद जी के द्वारा जनपद स्तर पर निबंध, भाषण एवं काव्यपाठ प्रतियोगिता के विजेता छात्र-छात्राओं, प्रतिभागियों को निर्धारित धनराशि एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। निबंध प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली स्नेहा तिवारी, द्वितीय स्थान-आकांक्षा यादव एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली नव्या कुमारी को क्रमशः 5000, 3000 एवं 2000 रुपए का चेक एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसी प्रकार भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले अनुग्रह प्रताप सिंह, द्वितीय स्थान-प्रभात शुक्ला एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले निशीथ दुबे को

क्रमशः 10000, 5000 एवं 2500 रुपए का चेक एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसी तरह से एकल काव्य पाठ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली साक्षी मिश्रा, द्वितीय स्थान-देवेन्द्र प्रताप सिंह एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले ह्रदय मिश्रा को क्रमशः 10000, 5000 एवं 2500 रुपए का चेक एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जगत तारन इण्टर कालेज, राजकीय इण्टर कालेज, सिविल लाइन की छात्राओं के द्वारा सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया।

इस अवसर पर मा0 सांसद फूलपुर श्री प्रवीण पटेल ने अपने सम्बोधन में कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 अटल बिहारी वाजपेयी जी का नाम जब आता है, तो उनका एक पत्रकार, साहित्यकार, कवि, राजनेता एवं एक स्वप्नद्रष्टा के रूप में विराट व्यक्तित्व हमारे सामने होता है। उनका पूरा जीवन एक खुली किताब की तरह रहा। पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 अटल बिहारी वाजपेयी जी का व्यक्तित्व, उनके आदर्श एवं राष्ट्रधर्म हम सभी के लिए प्रेरणा पद है। उनका जीवन एवं विचार हम सब के लिए एक प्रेरणा का श्रोत है। श्रद्धेय अटल जी महान राष्ट्रवादी विचारक, युगद्रष्टा, प्रखरवक्ता व सुशासन के सम्वाहक थे। उन्होंने प्राण प्रण से देश व समाज की सेवा की। मा0 सांसद ने कहा कि सुशासन के लक्ष्य को कैसे प्राप्त किया जा सकता है, यह अटल जी ने करके दिखाया था। कहा कि श्रद्धेय लाल बहादुर शास्त्री जी द्वारा दिए गए जय जवान, जय किसान के नारे में श्रद्धेय अटल जी ने जय विज्ञान कहकर उसमें एक और कड़ी जोड़ी। उन्होंने कहा कि अटल जी के द्वारा स्वर्णिम चतुर्भुज योजना के द्वारा पूरे देश को जोड़ने का कार्य किया गया। उनका पूरा जीवन एक अजातशत्रु के रूप में रहा। उनके विरोधी भी उनकी सराहना करते थे। उनके व्यक्तित्व में आकर्षण था, लोग अपने आप उनकी ओर खींचे चले आते थे। उनके विचारों को लोग ध्यान से सुनते थे। विकसित भारत की बुनियाद अटल जी के द्वारा रखी गयी थी, जिसको वर्तमान में यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के द्वारा आगे बढ़ाते हुए देश को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य संकल्पित किया गया है। उनका व्यक्तित्व महान था, उनके व्यक्तित्व और जीवन से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए।

इस अवसर पर जिलाधिकारी श्री मनीष कुमार वर्मा ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 अटल बिहारी वाजपेयी जी का जन्म शताब्दी समारोह पिछले एक वर्ष से चल रहा है, इसके अन्तर्गत विभिन्न विद्यालयों, शासकीय कार्यालयों में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। पूर्व प्रधानमंत्री जी का पूरा जीवन देश सेवा, समाज के सेवा के लिए समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि आज हम सभी को यह प्रण लेना चाहिए कि हम जिस भी क्षमता में है, उसके अनुरूप हमें अपने देश के लिए कुछ करने का प्रण लेना चाहिए तथा समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को कैसे शासन की योजनाओं से लाभान्वित करा सकते है, इसके लिए निरंतर कार्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री जी का 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का विजन है, हम सभी की यह जिम्मेदारी है कि उसके लिए हम सभी लोग व्यक्तिगत क्षमता, सामूहिक क्षमता के रूप में देश को आगे बढ़ाने में अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि हमारे देश का पुराना वैभवशाली इतिहास रहा है, उसे पुनः प्राप्त करने लिए हम सभी को मिलकर कार्य करते हुए अपना योगदान देना होगा। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 प्रभाकर त्रिपाठी के द्वारा किया गया।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह, क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी श्री शशि कपूर, जिला विद्यालय निरीक्षक श्री पी0एन0 सिंह, प्राचार्य हेमवंती नंदन पीजी कालेज प्रो0 संधू सिंह जी, श्री आर0पी0 बघेल, श्री जी0एस0 यादव सहित अन्य शिक्षा विभाग के अधिकारीगण एवं विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

पीलीभीत जिलाधिकारी ने ग्राम संगठन कार्यालय का उद्घाटन किया

(जीएनएस)।

पीलीभीत पूरनपुर। जिलाधिकारी ने विकासखंड पूरनपुर क्षेत्र ग्राम सुल्तानपुर में ग्राम संगठन कार्यालय का उद्घाटन किया,जो ग्रामीण विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह कार्यालय स्थानीय पंचायत भवन में स्थापित किया गया, जिससे ग्रामीणों को सेवाएं आसानी से उपलब्ध होंगी।यह उद्घाटन पीलीभीत के जिला अधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह ने पहुंचकर रिबन काटकर उद्घाटन किया।जहां जिलाधिकारी ने ग्राम संगठन के कार्यों को गति देने पर जोर दिया। पूरनपुर क्षेत्र के देहात जैसे क्षेत्र तेजी

से विकसित हो रहे हैं, जिसमें जनसेवा केंद्र और पंचायत भवन प्रमुख भूमिका निभा रहे हैं। महत्वग्राम संगठन कार्यालय से जाति, आय प्रमाण पत्र, पेंशन और अन्य सेवाएं गांव स्तर पर ही मिलेंगी, जिससे शहर जाने की जरूरत कम होगी। यह ग्रामीण प्रशासन को पारदर्शी और सुलभ बनाएगा।संबंधित विकास पीलीभीत जिले में हाल ही में ललौरीखेड़ा में भी महिला संकुल समिति कार्यालय का उद्घाटन हुआ, जो रोजगार और एकता पर केंद्रित है।

अमृत कंडल कौन था, जो दीपू चंद्र दास जैसा बना शिकार? बांग्लादेश में एक और हिंदू की दिल दहलाने वाली हत्या!

(जीएनएस)।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हिंसा की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। दीपू चंद्र दास की क्रूर मॉब लिंचिंग (18 दिसंबर 2025) के ठीक एक हफ्ते बाद एक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। राजबारी जिले के पांगशा इलाके में 24 दिसंबर की रात 29 वर्षीय हिंदू युवक को भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला। हमलावरों ने उसे इतनी बेरहमी से मारा कि अस्पताल पहुंचते ही मौत हो गई।

यह घटना दीपू दास की तरह ही भीड़ हिंसा की है, लेकिन वजह अलग बताई जा रही- कथित जबरन वसूली। अमृत कोई आम युवक नहीं था, बल्कि स्थानीय स्तर पर 'सम्राट बहिनी' नाम के गिरोह का सरगना माना जाता था। आइए, समझते हैं अमृत मंडल की कहानी, घटना का पूरा विवरण और बांग्लादेश में बढ़ती इस हिंसा का दर्द...

अमृत मंडल (29 साल) राजबारी जिले के होसैंडांगा गांव का रहने वाला था। पिता का नाम अक्षय मंडल। वह स्थानीय स्तर पर 'सम्राट' के नाम से जाना जाता था और पुलिस रिकॉर्ड्स

में 'सम्राट बहिनी' नाम के एक गिरोह का लीडर दर्ज था। पुलिस के अनुसार, उसके खिलाफ कम से कम दो केस थे, जिसमें एक मर्डर का था। स्थानीय लोगों के मुताबिक, वह लंबे समय से जबरन वसूली और अन्य क्रिमिनल एक्टिविटीज में शामिल था। वह भारत में कुछ समय छिपा रहा था और हाल ही में गांव लौटा था।

अमृत हिंदू समुदाय से था, लेकिन उसकी इमेज एक लोकल गुंडे की थी। परिवार ने किसी व्यक्तिगत दुश्मनी से इनकार किया, लेकिन स्थानीय लोगों ने वसूली की शिकायत की। वह कोई बड़ा राजनीतिक या सामाजिक चेहरा नहीं था, बल्कि एक आम युवक, जो गलत रास्ते पर चला गया। लेकिन मौत की यह बेरहमी किसी को भी रुला देगी। एक इंसान की जिंदगी भीड़ ने छीन ली, बिना ट्रायल के।

क्या हुआ: अमृत और उसके साथी कथित तौर पर एक घर में वसूली मांगने पहुंचा। घरवालों ने मना किया तो शोर मचाया- 'चोर, चोर'। आसपास के लोग जुट गए और अमृत पर टूट पड़े। भीड़ ने उसे इतनी बुरी तरह पीटा कि मौके पर ही हालत गंभीर हो गई।

पुलिस एक्शन: सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची, अमृत को पांगशा उपजिला हेल्थ कॉम्प्लेक्स ले जाया गया, जहां रात 2 बजे डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

हमलावर: लोकल्स ही थे, लेकिन कोई गिरफ्तारी नहीं। अमृत का साथी मोहम्मद सेलिम पकड़ा गया, जिससे पिस्टल और शूटर गन बरामद हुई।

फरार: बाकी हमलावर भाग निकले।

एक्शन: पुलिस अधिकारी शेख मोइनुल इस्लाम ने कहा, वसूली की कोशिश में मामला भीड़ हिंसा में बदल गया। जांच चल रही है।'

काकोरी थाना क्षेत्र में बड़ी चोरी की वारदात, पुलिस गश्त पर फिर उठे सवाल

(जीएनएस)।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के काकोरी कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत घूरघूरी तालाब चौकी के पान खेड़ा, मोहन रोड पर चोरों ने एक बार फिर पुलिस व्यवस्था को खुली चुनौती दी है। बंद मकान को निशाना बनाते हुए अज्ञात चोरों ने करीब 18 लाख रुपये की बड़ी चोरी को अंजाम दिया। मकान मालिक धनंजय सिंह मूल रुप से फतेहपुर के असोधर क्षेत्र के निवासी हैं और 'मैहर सिटी' नाम से प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते हैं वे आवश्यक कार्य से

फतेहपुर गए हुए थे। इसी दौरान बीती देर रात चोरों ने घर का ताला तोड़कर चोरी को अंजाम दिया मकान मालिक के अनुसार बताया गया कि 2 लाख रुपये नकद और करीब 16 लाख रुपये के जेवरात चोरी कर ले गए चोर चोरी के बाद सबूत मिटाने के लिए चोरों ने घर में लगा डीबीआर भी उखाड़कर अपने साथ ले गए, लेकिन पुलिस गश्त को इसकी भनक तक नहीं लगी घटना ने काकोरी पुलिस की गश्ती व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में पहले भी कई घरों में चोरियां हो चुकी हैं, लेकिन अब तक किसी भी मामले का खुलासा नहीं हो पाया है। लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं से इलाके में भय और आक्रोश का माहौल है। लोगों की मांग है कि जल्द से जल्द चोरों की गिरफ्तारी हो और गश्त व्यवस्था को मजबूत किया जाए। अब देखना यह होगा कि काकोरी पुलिस इस ब्रेकिंग घटना पर केवल औपचारिक कार्रवाई करती है या अपराधियों को पकड़कर जनता का भरोसा जीत पाती है।

मिशन शक्ति-5 के तहत महिला सशक्तिकरण अभियान जोरों पर

(जीएनएस)।

पीलीभीत, एसपी पीलीभीत के निर्देशन में चल रहे मिशन शक्ति-5 अभियान के तहत थाना अमरिया पुलिस टीम ने महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय भूमिका निभाई। थाना क्षेत्रांतर्गत भ्रमण के दौरान पुलिस टीम ने महिलाओं एवं बालिकाओं को महिला संबंधी अपराधों तथा साइबर अपराधों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की।अभियान का उद्देश्यमिशन शक्ति-5 उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है, जो महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण पर केंद्रित है। थाना अमरिया प्रभारी ने बताया कि टीम ने गांव-गांव जाकर जागरूकता सत्र आयोजित किए, जिसमें दहेज प्रताड़ना, घरेलू हिंसा, यौन शोषण, साइबर स्टॉकिंग, ऑनलाइन धोखाधड़ी जैसी

समस्याओं पर चर्चा की गई। महिलाओं को हेल्पलाइन नंबर 1090, 181 और 112 की जानकारी दी गई तथा तत्काल सहायता के लिए प्रोत्साहित किया गया।जागरूकता गतिविधियांपुलिस टीम ने स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों और सामुदायिक स्थलों पर पहुंचकर बालिकाओं को साइबर सुरक्षा के टिप्स दिए, जैसे संदिग्ध लिंक न खोलना, सोशल मीडिया पर गोपनीयता सेटिंग्स मजबूत रखना।स्थानीय महिलाओं के साथ संवाद सत्र आयोजित कर उन्हें आत्मरक्षा तकनीकें सिखाईं और कानूनी अधिकारों जैसे ढडउरड एक्ट, घरेलू हिंसा अधिनियम के बारे में बताया।भ्रमण के दौरान 200 से अधिक महिलाओं एवं बालिकाओं तक पहुंच बनाई गई, जिन्हें पम्फलेट वितरित किए गए।एसपी के निर्देशएसपी पीलीभीत ने सभी थानों को निर्देश दिए हैं कि मिशन शक्ति को जन-जन तक पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि महिला अपराधों पर शून्य सहनशीलता की नीति अपनाई जाएगी तथा साइबर क्राइम सेल को सक्रिय रखा जाएगा। अभियान से ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है तथा अपराधों की रोकथाम में सहायता मिल रही है। स्थानीय निवासियों ने पुलिस की इस पहल की सराहना की है।

योगी सरकार में सपा नेता का आतंक, 20 बीघा सरकारी जमीन पर बोई गई गन्ने की फसल काटने का प्रयास जारी

(जीएनएस)।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी के शाहाबाद क्षेत्र में एक तरफ उत्तर प्रदेश की योगी सरकार भू माफियाओ पर बुलडोजर कार्रवाई कर रही है। वही तहसील शाहाबाद के अधिकारी योगी सरकार के आदेश को पलीता लगा रहे हैं। शाहाबाद तहसील के अधिकारियों ने सपा नेता रावेंद्र यादव को खुला संरक्षण दे रखा है। शाहाबाद तहसील के ग्राम सुहागपुर निवासी सपा नेता रावेंद्र यादव ने 20 बीघा सरकारी जमीन पर गन्ने की फसल बोई। जिसको काटने का प्रयास जारी है लेकिन तहसील शाहाबाद के अधिकारियों ने कोई दंडात्मक कारवाई नहीं की। जिसकी शिकायत ग्राम निवासी रावेंद्र कठेरिया ने जिलाधिकारी हरदोई अनुनय झा को 7/10/2025 को संपूर्ण समाधान दिवस में शिकायत की। जिसमें यह आरोप लगाया गया कि सपा नेता रावेंद्र यादव व ओमप्रकाश नेता निवासी सुहागपुर द्वारा 17.2090 हेक्टेयर,

लगभग 200 बीघा जमीन पर अवैध कब्जा करके फसलें बोई हैं। जिस पर जिलाधिकारी के आदेश पर उपजिलाधिकारी अंकित तिवारी ने दिनांक 14 अक्टूबर 2025 को नायब तहसीलदार शाहाबाद संतोष कुशवाहा के नेतृत्व में पांच सदस्यीय टीम गठित करके जमीनों की जांच का आदेश दिया गया लेकिन इसके बाद भी रावेंद्र यादव ने गन्ने की फसल काटने के लिए उपजिलाधिकारी शाहाबाद से गुहार लगाई। आखिर ऐसी क्या मजबूरी है कि जो शाहाबाद तहसील के अधिकारी इस दबंग व्यक्ति पर कार्रवाई करने से डर रहे हैं। जो व्यक्ति जेल की सलाखों के पीछे होना चाहिए, तहसील शाहाबाद के अधिकारियों के संरक्षण में वह व्यक्ति खुले घूम रहा है। सभी ग्राम वासियों की एक ही मांग है कि बड़ी कार्यवाही करके सपा नेता पर जुमार्ना लगाकर कार्यवाही की जाये जब आज भारतीय किसान यूनियन क्रांति के जिलाध्यक्ष सत्यवीर सिंह ने जाकर सभी ग्राम वासियों को बुलाकर बैठक की और समस्याओं को पूछकर सुना तब ग्राम वासियों की जुबान से एक ही बात निकली की गलत हुआ बाबा की सरकार में कार्यवाही की जाये इस समय मौजूद किसान सोनू लाल, शानू, मूलचंद सहित कई किसान मौजूद रहे

पिछोर विधानसभा में एएसपी का बड़ा ऐलान, दामोदर सिंह यादव बोले - '2028 में सीट हमें दो', मनुस्मृति दहन

(जीएनएस)।

मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले की पिछोर विधानसभा सीट पर सियासी हलचल तेज हो गई है। खनियाधाना-पिछोर क्षेत्र में आयोजित भीम आर्मी की विशाल सभा में आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय कोर कमेटी सदस्य दामोदर सिंह यादव ने बड़ा राजनीतिक ऐलान करते हुए कहा कि "2028 के विधानसभा चुनाव में पिछोर की सीट आजाद समाज पार्टी को दी जाए।"

उनके इस बयान के बाद क्षेत्र की राजनीति में नई बहस छिड़ गई है और मौजूदा इखढ विधायक प्रीतम लोधी की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं।

मनुस्मृति दहन का जिक्र, तीखे शब्दों में हमला

सभा को संबोधित करते हुए दामोदर सिंह यादव ने डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा किए गए मनुस्मृति दहन का उल्लेख किया और कहा कि यह दिन सामाजिक न्याय की लड़ाई का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि मनुस्मृति में शूद्रों और महिलाओं के खिलाफ आपत्तिजनक बातें लिखी गई हैं और वे ऐसे विचारों को स्वीकार नहीं करते। यादव ने तीखे शब्दों में कहा- "मैं मनु महाराज को नहीं मानता। अगर मनु महाराज मिल जाएं तो उन्हें मुर्गा बना देंगे।" उनके इस बयान पर सभा में मौजूद कार्यकताओं ने जोरदार नारेबाजी की।

धीरेंद्र शास्त्री पर भी निशाना, बहुजन एकता का आ'ान

दामोदर यादव ने कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री पर भी हमला बोला और कहा कि देश को आडंबर, पाखंड और जातिवाद से मुक्त करना जरूरी है। उन्होंने बहुजन समाज से एकजुट होकर "बहुजन राज" स्थापित करने का संकल्प दोहराया और कहा कि संविधान सर्वोपरि है। सभा के दौरान मंच पर संविधान की प्रतियां लहराई गईं, जिससे कार्यक्रम का माहौल और अधिक जोशीला हो गया।

विनय रतन सिंह की मौजूदगी, हजारों कार्यकताओं की भीड़

इस सभा में मुख्य अतिथि के रूप में भीम आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनय रतन सिंह मौजूद रहे। हजारों की संख्या में संविधानवादी कार्यकर्ता जुटे, जिन्होंने सामाजिक न्याय, समानता और भाईचारे के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई।

पीलीभीत जिलाधिकारी ने मुरादपुर माती के कंपोजिट विद्यालय का निरीक्षण कर दिए आवश्यक निर्देश

(जीएनएस)।

पीलीभीत पूरनपुर। जिलाधिकारी ने आज पूरनपुर तहसील क्षेत्र के मुरादपुर माती के कंपोजिट विद्यालय का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय की व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान जिला अधिकारी ने कक्षा कक्षों, शिक्षण व्यवस्था,स्वच्छता, शौचालयों की स्थिति का निरीक्षण किया।उन्होंने पाया कि विद्यालय में कुछ मूलभूत

सुविधाओं में कमी है, जिस पर तत्काल सुधार के निर्देश दिए।शिक्षण कार्य को प्रभावी बनाएं तथा स्वच्छता अभियान को सख्ती से लागू करें। किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।